संस्तुति

मैं संस्तुति करती हूँ कि **गीता गोपाळ कुणकवळेकर** का एम्. फिल्. (हिंदी) उपाधि हेतु प्रस्तुत **''जयशंकर प्रसाद की कहानियों का मूल्यांकन'' ('आकाश – दीप' के विशेष संदर्भ में)** लघु शोध–प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए।

स्थान : .कोल्हापुर ।

तिथि : 04/08/2008

डॉ. पद्मा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर.
Head
Dept. of Hindi,
Shivaji University
Kolhapur-416004

डॉ. आशा स्नेहलकुमार मणियार
एम्.ए., एम्.फिल्., पीएच्.डी.
प्रपाठक, हिंदी विभाग,
देवचंद महाविद्यालय, अर्जुननगर।
तथा
मानद अध्यापिका,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।
तिथी :

प्रमाणपत्र

मैं प्रमाणित करती हूँ कि **गीता गोपाळ कुणकवळेकर** ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापूर की एम्. फिल्. (हिंदी) उपाधि के लिए " **जयशंकर प्रसाद की कहानियों का मूल्यांकन" 'आकाश–दीप' के विशेष संदर्भ में** शीर्षक से प्रस्तुत लघु शोध – प्रबंध मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरा किया है । जो तथ्य इस लघु शोध–प्रबंध में प्रस्तुत किए गए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं । प्रस्तुत शोध–कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट होकर ही इस लघु शोध–प्रबंध को परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की अनुमति देती हूँ।

यह रचना इसने पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

शोध – निर्देशिका

(डॉ. आशा स्नेहलकुमार मणियार)

स्थान : कोल्हापुर ।

तिथी :

डॉ. आशा एस्. मणियार
हिंदी पंडित,एम्.ए.,एम्.फिल्.,पीएच.डी.
प्रपाठक, स्नातक तथा स्नातकोत्तर हिंदी विभाग,
देवचंद कॉलेज, अर्जुननगर एवं मानद व्याख्याता,
शिवाजी विश्वविद्यालय,कोल्हापुर (महाराष्ट्र)